मेरो खोय गयो बाजूबंद ...

मेरो खोय गयो बाजूबंद, रसिया होरी में ।।
होरी में बरजोरी में (रे लाला), मेरो खोय गयो ...

बाजूबंद मेरो बड़ो मोल को,
तो तैं लऊँगी मैं तो पूरे तोल को,
सुन नन्द के फरजन्द ।।1।। रसिया होरी में ...

सास लड़ेगी मेरी ननद लड़ैगी,
घर में ख़सम की मार पड़ैगी,
फिर व्है जाय रंग में भंग ।।2।। रसिया होरी में ...

तू ने लाला उधम मचायो,
लाज शरम तैने बेच के खायो,
मैं तो आय गई तो से तंग ।।3।। रसिया होरी में ...

तेरी मेरी प्रीत पुरानी,
तुमने मोहन नाय पहचानी,
मोय लै चल अपने संग ।।4।। रसिया होरी में ...

http://www.govindbhargav.in